श्री जनार्दन यादव (बिहार) : क्या मजदूरों को मरवाते हैं? ... **(व्यवधान)** मजदूरों को क्यों ... दिए थे... **(व्यवधान)** आप खड़े होकर क्यों उस समय बोल रहे थे? ... **(व्यवधान)**

श्री संजय डालमिया : मैं आपको यह बतलाना चाहता हूं कि माननीय गौतम जी ने, उनको उत्तर प्रदेश की जनता की भलाई में बहुत बड़ी चीज दिखती है और उनको लग रहा है कि यह जो शूगर मिलें हैं उनका जो निजीकरण हो रहा है उसमें वहां की जनता को नुकसान होगा। तो इनको यह पता होना चाहिए कि जब इनकी सरकार ने वहां पर अप्ट्रान का निजीकरण करने का फैसला लिया था और उस वक्त लिया था जबकि अप्ट्रान फायदे में चल रही थी। अप्ट्रान के जापानी कोलैबोरेटर जो थे उनकी इच्छा के विरुद्ध इन्होंने अप्ट्रान का निजीकरण करने का फैसला लिया। तो आपको यह पता होना चाहिए कि एम.आर.टी.पी. में लोगों को जाना पड़ा और वहां पर इसके खिलाफ स्टे लेना पड़ा क्योंकि यह गलत काम हो रहा था। इसका मतलब यह जो गलत काम करते हैं ये समझते हैं कि बाकी सरकारें भी गलत काम करती हैं। इनकी सरकार गलत काम कर रही थी वह एम.आर.टी.पी. ने रोक लगा दिया। ... **(व्यवधान)** पर अब यह निजीकरण का जो मामला है आपको मालूम है कि इनके अ ने चुनावी मुद्दों में निजीकरण के बारे में कहा गया है। आफ्टरऑल जो स्टेट्स एंटर प्राइसेस हैं उनको जो नुकसान होता है... वह कौन देता है वह हमारी और आपकी जेब से निकलता है। हम, उत्तर प्रदेश की सरकार उन घाटे की मिलों का निजीकरण करके, जो हर साल घाटा होता है उस पैसे को बचाकर उत्तर प्रदेश की जनता के लिए, वहां के पिछड़ों के लिए और गांवों के लिए खर्च करना चाहते हैं, परन्तु यह लोग उसमें बाधा पहुंचाना चाहते हैं क्योंकि इनकी सारी नीतियां यही हैं कि जहां भी डवलपमेंट के काम हों, जहां भी अच्छे काम हों, वहां पर उनको रोका जाए। इसलिए यह फालतू के मुद्दे हाऊस में उठाते हैं और यहां सदन का समय बर्बाद करते हैं। मेरी यही निवेदन है कि यह निजीकरण का मामला उत्तर प्रदेश के हित में है और भारत सरकार की पालिसी के हित में है, इसलिए मेरी समझ में यह निजीकरण का मामला बहुत अच्छा है। हमें इसकी सराहना करनी चाहिए।

श्री राजनाथ सिंह (उत्तर प्रदेश) : मान्यवर, एक मिनट।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Another Member is there. You kindly take your seat.

SHRI SANJAY DALMIA: There is no point of order.

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश): माननीय उपाध्यक्ष जी, मैं सदैव संक्षेप में बोलता हूं और इस विषय पर भी बहुत संक्षेप में अपनी बात रखना चाहता हूं। हमारे मित्र श्री संघ प्रिय गौतम जी ने शून्य काल में जो विषय उठाने के लिए दिया था, यह आपके भी समक्ष है और मेरे भी समक्ष है–

"Selling of sugar mills to private individuals by Uttar Pradesh Government"

मैंने भी माननीय अध्यक्ष जी से अनुरोध किया था। मैं समझ रहा था कि गौतम जी ने उत्तर प्रदेश की सरकार का जो निर्णय है–घाटे में चल रही चीनी मिलों को बेचने का, उनका समर्थन करने के लिए यह विषय जीरो आवर में उठाने के लिए दिया होगा। मान्यवर, गौतम जी ने केवल अपने भाषण का एक अंश सही कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने कुछ बीमार चीनी मिलों को रुग्ण चीनी मिलों को, जो घाटे में चल रही हैं उनको बेचने का निर्णय किया है। यह अंश बिल्कुल सही है, लेकिन

[श्री ईश दत्त यादव]

मैं सम्मान रखते हुए गौतम जी से कहना चाहता हूं कि इसके अतिरिक्त जो कुछ उन्होंने कहा है, सब असत्य है और निराधार है।

मान्यवर, उत्तर प्रदेश में गन्ने का उत्पादन होता है और गन्ना किसान आज भी दुखित है। दुखित इसलिए है, मान्यवर, कि यह चीनी मिलें उनका गन्ना तो ले लेती हैं, लेकिन आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण समय से उनके गन्ने के मूल्य का भुगतान नहीं करती है। जब गन्ने के मूल्य का भुगतान नहीं होता तो किसान बहुत पीड़ित रहता है, दुखित रहता है। फिर इन चीनी मिलों की जितनी क्षमता है, उस क्षमता के अनुसार कड़ाई भी नहीं कर पाती है। आज केवल गिनाने के लिए ही चीनी मिलें रह गई हैं और इसलिए उत्तर प्रदेश सरकार ने सोच विचार करके जनता के हित में, किसान के हित में और मिलों में काम करने वाले मजदूरों के हित में यह सही निर्णय लिया है कि इन चीनी मिलों को उचित मूल्य पर बेच दिया जाए। मैं समझता हूं, उत्तर प्रदेश सरकार का यह निर्णय सराहनीय है और मैं अदब में कहना चाहता हूं कि संघ प्रिय गौतम जी ने जो कुछ कहा है, वह राजनीतिक भावना से प्रेरित होकर कहा है, इसलिए मैं इनकी उन बातों का विरोध कर रहा हूं, जो इन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ आरोप लगाए हैं। अपने समय दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री राजनाथ सिंह : मान्यवर, मैं संबद्ध करना चाहता हूं। . . . **(व्यवधान)** . . .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY). Only four Members have been permitted by the hon. Chairman. One of your Party Members has already spoken the matter.

श्री राजनाथ सिंह : मान्यवर, मैं अपने को संबद्ध तो कर सकता हूं? आपने एक दल के तीन तीन सदस्यों को डिसएसोसिएट करने के लिए समय दिया, मुझे भी एक मिनट दिया जाए।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Three Members have already been permitted by the Chair.

श्री राजनाथ सिंह : मान्यवर; एक मिनट। मैं अपने को संघ प्रिय गौतम जी की भावना से संबद्ध करता हूं और उन्होंने जिस मामले को यहां पर उठाया, उसमें चिंता यही है कि जिन चीनी मिलों का निजीकरण किया जा रहा है कहीं उन मिलों में काम करने वाले कर्मचारियों के हितों को चोट न पहुंचे। किसानों के हितों को किसी भी प्रकार की चोट न पहुंचे। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार रही; उस समय किसी भी किसान के गन्ने की कीमत का बकाया हमने नहीं रहने दिया।

मान्यवर, संघ प्रिय गौतम जी ने जो आशंका व्यक्त की है. . . . **(व्यवधान)**

श्री ईश दत्त यादव : उस समय हम लोग जेल गये। किसानों पर गोली चली **(व्यवधान)**

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : वहां लाठी चार्ज हुआ। वहां लोग मारे गये। भारतीय जनता पार्टी की सरकार के समय गन्ने की बकाया को लेकर. . . **(व्यवधान)** . . . देवरिया में लाठीचार्ज हुआ, लोग मरे।

श्री ईश दत्त यादव : हमको गिरफ्तार करके बनारस जेल में रखा गया था। **(व्यवधान)**

उपसभाध्यक्ष (श्री वी० नारायणसामी) : यादव जी, आप बैठिये।

श्री राजनाथ सिंह : मान्यवर, मैं यही निवेदन करना चाहता हूं कि जिस समय हमारी सरकार के पहले वहां पर मुलायम सिंह

जी की सरकार थी तो उस समय भी उत्तर प्रदेश सीमेंट कारपोरेशन को हमारे ही सदन के सम्मानित सदस्य श्री संजय डालमिया को बेचने का काम उन्होंने बहुत ही सस्ते दरों पर किया था।.... जनता के हितों के साथ खिलवाड़ किया था और मान्यवर, मैं यह भी ...(**व्यवधान**)...मान्यवर, जिस समय मुलायम सिंह की सरकार वहां थी, संजय डालमिया को पोजेशन दिलाने के लिये 9 मजदूरों की हत्या की गई थी।

SHRI SANJAY DALMIA: I object to this. ((Interruptions)... He cannot talk about me like this. (Interruptions)...

श्री राजनाथ सिंह : मान्यवर, इतनी सस्ती दर पर मुलायम सिंह के समय बेचा गया था। ...(व्यवधान)...

SHRI SANJAY DALMIA: He cannot talk like this. (Interruptions)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): We are on the sugar mills. (Interruptions)...

श्री राजनाथ सिंह : अब उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह की सरकार द्वारा चीनी मिलों को भी माटी के भाव पर बेचा जायेगा। इसलिये संघ प्रिय गौतम जी ने इस मामले को उठाया है। मैं चाहूंगा कि भारत सरकार इस मामले में पूरी तरह से हस्तक्षेप करे और इस तरह के मनमाने तरीके से चीनी मिलों को बेचने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिये।

श्री संजय डालमिया : अगर हिम्मत है तो बाहर चार्ज लगाओ।...(**व्यवधान**)... Let him speak outside (Interruptions)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Kindly take your seats. (Interruptions)... Kindly take your seats. (Interruptions)

SHRI SANJAY DALMIA: Let him speak outside. (Interruptions) ....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Mr. Dalimia, don't speak now. Kindly take your seat. Mr. Janardan Yadav.

Reported *Accident in* Bokaro Steel Plant

श्री जनार्दन यादव (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपका और इस सदन का ध्यान "बोकारो" कारखाने के अन्दर 23 जुलाई को बाशर पाइप फटने के कारण हुई दुर्घटना की ओर दिलाना चाहता हूं जिसमें पांच मजदूर अभी तक मर चुके हैं और अनेकों मजदूर घायल होकर अस्पताल में जिन्दगी और मौत के बीच झूल रहे हैं।

महोदय, 23 अप्रैल को "बोकारो" कारखाने में इसी प्रकार की एक दुर्घटना हुई थी, जहरीली गैस का पाइप फट चुका था, तीन आदमी मर चुके थे। 23 अप्रैल और 23 जुलाई, यानी मरने वालों की संख्या तो बढ़ती जा रही है और उस कारखाने के मजदूर रात-दिन परिश्रम करके वहां लाभकर उत्पादन कर रहे हैं। यानी स्टील अथारिटी आफ इंडिया में 4 अरब 50 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है, जिसमें 3 अरब 20 करोड़ रुपये का लाभ सिर्फ "बशकारो" ने दिया है। लाभ देने के लिये मजदूर लेकिन मजदूरों की सुरक्षा के लिये वहां कोई व्यवस्था नहीं। वहां मेंटेनेंस और आपरेशंस ये दो विभाग हैं, लेकिन इन दोनों विभागों के पदाधिकारी क्या करते हैं? 22 साल से वह पुराना पाइप लगा हुआ है, चाहे गैस का पाइप हो, चाहे वाश का पाइप हो, वह पाइप जर्जर हो चुका है लेकिन उस पाइप को बदला नहीं गया है। जो 23 अप्रैल को घटना घटी, उसमें जो लोग मारे गये, उसके लिये जो जिम्मेदार हैं उसको सजा दी जानी चाहिये।